

ब्लैक सोलजर फ्लाई लार्वा और पोल्ट्री फीड

भारत विश्व के शीर्ष पाँच चकिन और अंडा उत्पादकों में से एक है, कति छोटे पोल्ट्री किसानों के समक्ष इस व्यवसाय में फीड की गुणवत्ता, मात्रा और लागत जैसी कई चुनौतियाँ वदियमान हैं।

- ब्लैक सोलजर फ्लाई का उच्च पोषण मूल्य इन चुनौतियों का समाधान करने के विकल्पों में से एक हो सकता है।

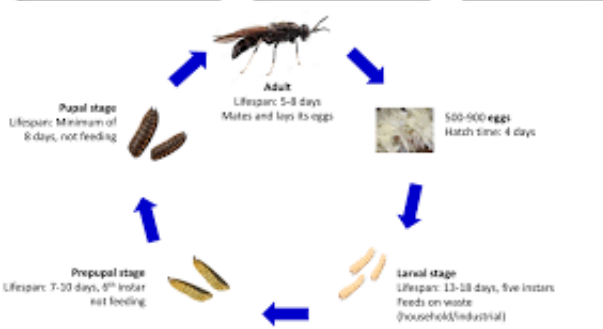
पोल्ट्री फीड से संबंधित चुनौतियाँ:

- पोल्ट्री उत्पादन की पूरी लागत में फीड का हिस्सा 70% तक होता है। इसके अलावा पोल्ट्री के लिये आपूर्तिक्रिया जाने वाला पारंपरिक फीड, मुख्य रूप से अनाज और सोया की आपूर्ति बढ़ती जनसंख्या की खाद्य मांगों के चलते प्रतिस्पर्धी बनी हुई है।
- बढ़ती लागत के अलावा पोल्ट्री क्षेत्र की स्थिरता हेतु फीड संसाधन उपलब्धता एक प्रमुख नरिधारक है।
- ऐसा ही एक विकल्प बुराईरस जैसा सूखा अनाज है, जो बरूइंग उद्योग का एक उपोत्पाद है।
 - हालाँकि प्रोटीन और अमीनो एसडि से भरपूर इसमें उच्च नमी और फाइबर सामग्री शामिल है।
- देश के कुछ हिस्सों में गेहूँ का एक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प चावल की भूसी है। इसमें गेहूँ के समान तुलनात्मक रूप से उपापचय योग्य ऊर्जा होती है।
 - हालाँकि अध्ययनों से पता चलता है कि चावल की भूसी को चारे में शामिल करने पर मुरगियों के अंडा देने की क्षमता में गरिवट आई है।
- उदाहरण के लिये ब्लैक सोलजर फ्लाई (हरमेटिया इल्यूसेंस) के लार्वा में उच्च पोषण क्षमता होती है, साथ ही इसे पालना आसान होता है।

ब्लैक सोलजर फ्लाई:

परचिय:

- ब्लैक सोलजर फ्लाई स्ट्रेटओमाइडे परिवार की एक मकखी (डिप्टेरा) है जो आमतौर पर विश्व के कई हिस्सों में पाई जाती है।
- वे हल्के सफेद रंग की होती हैं और खाद्य अपशिष्ट से लेकर खाद तक विभिन्न प्रकार के कार्बनिक पदार्थों को खाती हैं।
- इनमें उच्च अपशिष्ट-से-बायोमास रूपांतरण की दक्षता होती है।
- इसका मतलब है खुद को गर्म रखने के लिये बहुत अधिक ऊर्जा का उपयोग करने वाले गर्म खून वाले स्तनधारियों और पक्षियों के विपरीत यह मकखी भोजन को शरीर के द्रव्यमान में कुशलता से परिवर्तित कर सकती है।



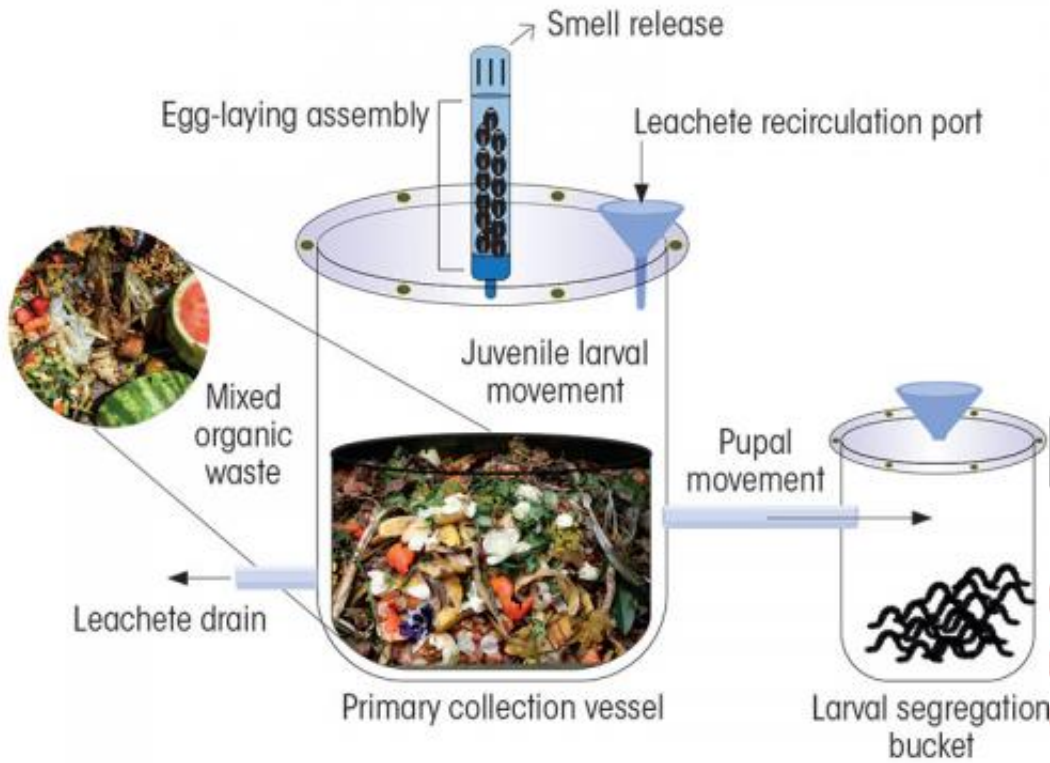
//

उपयोगिता:

- वे मुरगी पालन से जुड़े लोगों के लिये कम लागत, कम फुटप्रिंट, पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी और पूरी तरह से प्राकृतिक फीड हो सकती हैं।
- लार्वा जैविक कचरे को उपयोगी वटामिन और खनजिों की एक वसितृत शृंखला में परिवर्तित करने में सक्षम हैं।
 - इसलिये वे पशुओं के चारे के लिये एक व्यवहार्य विकल्प हैं क्योंकि विकैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, सोडियम, पोटेशियम, लोहा, जस्ता, तांबा, मैग्नीज़ और अन्य खनजिों से भरपूर हैं।

WIN-WIN STRATEGY

The novel trapping mechanism uses organic food waste and some eggs of black soldier fly to churn out larvae to be used as feed



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

- 1- कृषमृदाएँ पर्यावरण में नाइट्रोजन के ऑक्साइड नरिमुक्त करती हैं ।
- 2- मवेशी पर्यावरण में अमोनिया नरिमुक्त करते हैं ।
- 3- कुक्कुट उद्योग पर्यावरण में अभकिरियाशील नाइट्रोजन यौगकि नरिमुक्त करते हैं ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)